भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस

TEN RUPEES

Rs.10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

CANCELLED

NOTARIAL NOTARIAL

NOTARY RAJENDRA PRATAP SINGH ADVOCATE U.P. GOVERNMENT

UTTAR PRADESH प्ररूप 26 (नियम 4क देखिए) 12AC 128645

6949

Rajendra Pratap Singh
NOTARY
Sadar, Sultanpur (U.P.)

38- लोक सभा सुल्तानपुर .... निर्वाचन क्षेत्र
(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

लोक सभा .... (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

भाग–क

मैं गिरीश लाल **पुत्र/पुत्री/पत्नी रामलखन आयु 44 वर्ष जो ग्राम-डीहा रसूलपारी पोस्ट पूरे दुबे सुल्तानपुर (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/करती हूँ :–

(1) मैं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी हूँ। **एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।
(**जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 189- .... उ०प्र० (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं० 216 क्रम सं० 363 पर दर्ज है।

Rajendra Pratap Singh
NOTARY Advocate
Sadar, Sultanpur (U.P.)
14-4-14

गिरीश लाल

(3) मेरा संपर्क टेलीफोन नं0 9838 29 70 14 है/हैं, और मेरा ई-मेल आई0डी0(यदि कोई हो तो) .... है।

(4) स्थाई लेखा संख्यांक (पैन) के ब्यौरे और आय कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

क्रम सं0	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रुपए में)
1	स्वयं	AATP[illegible]22F	65000-	नहीं
2	पति या पत्नी [illegible]	नहीं	नहीं-0-	-0-
3	आश्रित–1 [illegible] पुत्र	नहीं	0	0
4	आश्रित–2 [illegible] पुत्र	नहीं	0	0
5	आश्रित–3			

NOTARY
RAJENDRA PRATAP SINGH
ADVOCATE
U.P. GOVERNMENT

Rajendra Pratap Singh
NOTARY
Sadar, Sultanpur (U.P.)
14-4-14

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूं, जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगी/करेगी :-

(i) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	नहीं -
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है।	-नहीं-
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	लागू नहीं
(घ)	न्यायालय जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई	लागू नहीं
(ङ)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे	लागू नहीं
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं	नहीं

NOTARY RAJENDRA PRATAP SINGH ADVOCATE U.P. GOVERNMENT

6444

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है [पूर्वोक्त मद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न]:-

(क)	न्यायालय का नाम मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	लागू नहीं
(ख)	उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है।	0
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरुद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हो) के ब्यौरे	0

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाली किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है :

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया है और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा :

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है :-

(क)	उन मामलों के ब्यौरे अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है	नहीं
(ख)	न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें)	नहीं
(ग)	अधिरोपित दंड	नहीं
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हां, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति	नहीं

Rajendra Pratap Singh
Advocate
NOTARY
Sadar, [illegible] (U.P.)

मिठीलाल

(7) मेरे मेरे पति या पत्नी तथा सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ :–

अ. जंगन आस्तियों के ब्यौरे :–

टिप्पणी

1– संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

2– जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं0, रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

3– सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

4– यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 75क के अधीन स्पष्टीकरण (5) में है।

5– रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

क्रम सं0	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	हाथ में नकदी	40000	10,000	[illegible]	[illegible]	नहीं
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	[illegible] 10000 [illegible] 10	[illegible] 5000/ A/c	नहीं	नहीं	0
(iii)	कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	0
(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	0
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	0
(vi)	मोटरयान/वायुयान/याट/पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	UP45-2380-2012- पुरानी [illegible] 100000/	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	नहीं	20 [illegible] 50,000 [illegible]	नहीं	नहीं	0
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि					

NOTARY RAJENDRA PRATAP SINGH ADVOCATE U.P. GOVERNMENT

Rajendra Pratap NOTARY [illegible]-4-14

[illegible signature]

VKM-1-ADEO-NOMINATION-3

	दावों/हित का मूल्य	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
(ix)	समग्र कुल मूल्य	150000	65000-	नहीं	नहीं	नहीं

ख. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पणी :–

1– संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का विवरण दिया जाना है।

2– प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस प्रारूप मे पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

क्रम सं०	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याऐं) [illegible]	2½ बीघा [illegible]	नहीं	नहीं	नहीं	0
	क्षेत्र (एकड़ में कुल माप) [illegible] मूल्य- 10,00,000/		0	0	0	
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	हाँ	0	0	0	0
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	नहीं	0	0	0	0
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	नहीं	0	0	0	0
	विकास संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	नहीं	0	0	0	0
(ii)	गैर कृषि भूमि अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याऐं)	नहीं	0	0	0	0
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	0	0	0	0	0
	क्या विरास में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	0	0	0	0	0
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	0	0	0	0	0
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	0	0	0	0	0
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	0	0	0	0	0
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य [illegible] 10,00,000/		0	0	0	0
(iii)	वाणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याऐं)	0	0	0	0	0

NOTARY RAJENDRA PRATAP SINGH ADVOCATE U.P. GOVT.

6941

Rajendra Pratap Singh ADVOCATE NOTARY [illegible] (U.P.) 29-01-14

[illegible]

	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	0	0	0	0	0
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	0	0	0	0	0
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	0	0	0	0	0
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	0	0	0	0	0
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	0	0	0	0	0
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान	0	0	0	0	0
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	0	0	0	0	0
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याएं) [illegible]	[illegible]	संयुक्त हिन्दू परिवार	हिन्दू [illegible]	संयुक्त हिन्दू परिवार	0
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) 30 × 31 फिट [illegible] - 1000		0	0	0	0
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) 930 वर्ग फिट		0	0	0	0
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं) जमीन की	विरासत	0	0	0	0
	स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	नहीं	0	0	0	0
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	नहीं	0	0	0	0
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान पाँच लाख पचास हजार	550000/	0	0	0	0
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य [illegible] 700000/ सात लाख		0	0	0	0
(v)	अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)	नहीं	0	0	0	0
(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य 17,00,000/ सत्रह लाख		0	0	0	0

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूं:–

(टिप्पणी : कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दें)

क्रम सं0	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं) को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	0
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं					

Rajendra Pratap Singh NOTARY Sonbhadra (U.P.) 14-4-04

[illegible signature]

6449

	अन्य व्यक्तियों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	0 नही	0 नही	0 नही	0 नही	0
	कोई अन्य दायित्व	नही	नही	नही	नही	0
	दायित्वों का कुल योग	0	0	0	0	0
(ii)	सरकारी शोध्य : सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य	नही नही	नही	नही	नही	0
	जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	नही नही	नही	नही	नही	0
	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	नही	नही	नही	नही	0
	टेलीफोन/मोबाइल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	नही	नही	नही	नही	0
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य	नही	नही	नही	नही	0
	आय-कर शोध्य	नही	नही	नही	नही	0
	धनकर शोध्य	नही	नही	नही	नही	0
	सेवाकर शोध्य	नही	नही	नही	नही	0
	नगरपालिका/संपत्ति कर शोध्य	नही	नही	नही	नही	0
	विक्रयकर शोध्य	नही	नही	नही	नही	0
	कोई अन्य शोध्य	नही	नही	नही	नही	0
(iii)	सभी सरकारी शोध्य का कुल योग	नही	नही	नही	नही	नही
(iv)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां, तो अन्तर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें।	नही	नही	नही	नही	नही

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं .... [illegible]

(ख) पति या पत्नी .... नही

(10) शैक्षणिक अर्हता नीचे दिए अनुसार हैं :

NOTARY Rajendra Pratap Singh ADVOCATE U.P. GOVERNMENT
Rajendra Pratap Singh Advocate NOTARY Sadar, Sonbhadra (U.P.)

[illegible]

M.A. मानव संसाधन प्रौद्योगिकी [illegible] सुल्तानपुर सेन्टर

(प्रमाण पत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें) डा० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद वर्ष 1996

भाग–ख

(11) भाग–क के (1) से (10) तक में दिए गए ब्यौरे का उद्धरण

1	अभ्यर्थी का नाम	श्री/श्रीमती/कु0 [illegible] लाल
2	डाक का पूरा पता	ग्राम- [illegible] पोस्ट [illegible] सुल्तानपुर
3	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	-38- सुल्तानपुर - उ० प्र० -
4	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा 'स्वतंत्र' लिखें)	इंडियन [illegible] समाज पार्टी
5	(i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं।	नहीं शून्य
	(ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है (ऊपर मद (i) उल्लिखित मामलों से भिन्न)	नहीं शून्य
6	ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। [लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 की उपधारा (1) उपधारा (2) या उपधारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए]	नहीं शून्य

7		....का स्थायी लेखा सं0	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आय–कर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्शित आय
	(क) अभ्यर्थी	AAT-PU1022F	65000-	65000-
	(ख) पति या पत्नी	नहीं	नहीं	नहीं
	(ग) आश्रित	नहीं	नहीं	नहीं

8-	आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे(रूपए में)					
	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
	(क) जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	150,000	65000			

[illegible] लाल

NOTARY U.P. GOVERNMENT

Rajendra Pratap Singh NOTARY

VKM-I-ADED-NOMINATION-7

ख		स्थावर आस्तियां	17,00000 [illegible]	0 शून्य	0	0 शून्य	0 शून्य
	I	स्वार्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	शून्य	शून्य		शून्य	
	II	क्रय के पश्चात स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो) ......की	शून्य	शून्य		शून्य	शून्य
	III	अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत	शून्य	शून्य		शून्य	"
		(क) स्वार्जित आस्तियां (कुल मूल्य)	[illegible] 150,000	65000		शून्य	शून्य
		(ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	[illegible] 105500 [illegible] 150,000				
9	दायित्व						
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
10	ऐसे दायित्व जो विवादाधीन हैं						
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
11		उच्चतम शैक्षिक अर्हता : एम.ए. डा० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)					

NOTARY U.P. GOVERNMENT

6949

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित, अभिसाक्षी, इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूँ कि :-

(क) मेरे विरूद्ध ऊपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है।

(ख) मेरे पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास ऊपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 14/04/14 को सत्यापित किया गया।

[signature]

[signature]
अभिसाक्षी

Rajendra Pratap Singh
Advocate
NOTARY
[illegible] (U.P.)
14-4-14

नोट :–

1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3.00 अपराह्न तक फाइल किया जाना चाहिए।
2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटेरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानीचाहिए।
3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़ें, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थिति "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।
4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्यरूप से साफ–साफ लिखित होना चाहिए।

नोट:– 5

अभ्यर्थियों द्वारा अधूरा शपथ–पत्र दाखिल करने के संबंध में माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सीविल) वर्ष 2008 की सं0 121–रिसरजेंस इण्डिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य में दिए गए दिनांक 13.09.2013 के निर्णय के अनुपालन में अभ्यर्थियों द्वारा सभी कालम भरे जाने आवश्यक है। किसी भी कॉलम को खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। शपथ–पत्र दाखिल करते समय रिटर्निंग अधिकारी को यह जांच करनी होती है कि नामांकन पत्र नहीं छोड़ा जा सकता है। [illegible]–पत्र के सभी कॉलम भरे हुए है। यदि नहीं तो रिटर्निंग अधिकारी अभ्यर्थी को खाली कॉलमों में सूचना प्रस्तुत करने के लिए एक अनुस्मारक देंगे। माननीय न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया है कि यदि किसी मद में प्रस्तुत करने के लिए कोई सूचना नहीं है तो ऐसे कॉलमों में यथोचित टिप्पणी जैसे 'शून्य' या 'लागू नहीं होता' या 'ज्ञात नहीं है', जैसा भी है। उपयुक्त टिप्पणी [illegible] जाएगी। उन्हें कोई कॉलम रिक्त नहीं छोड़ना है। यदि अनुस्मारक देने के बावजूद कोई अभ्यर्थी खाली कॉलम भरने में असमर्थ रहता है तो नामांकन पत्रों की जांच के समय रिटर्निंग अधिकारी द्वारा ऐसे नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के लिए उत्तरदायी होंगे।

नोट:– 6

शपथ–पत्र के [illegible] 3 में सूचना निम्नलिखित अनुसार उपलब्ध कराई जानी चाहिए:–

"मेरा टेलीफोन नं0 9838 [illegible] है,

मेरा ईमेल आई डी (यदि कोई हो) .... nil .... है,

और मेरा सोशल मीडिया एकाउन्ट (यदि कोई हो) .... nil .... है।"

NOTARY [illegible] U.P. GOVT.

Rajendra Pratap Singh Advocate NOTARY [illegible]
14-11-24

[illegible]